दिव्याशीष :
तपागच्छाधिपति प.पू. आचार्य
श्री विजय रामसूरीश्वरजी महाराजा (डहेलावाला)

शुभाशीष :
स्वाध्यायप्रेमी प.पू. आचार्य
श्री विजय जगच्चन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा

GOOD MANNERS

COLORING BOOK

बच्चों में सुसंस्कार हेतु एक अभिनव प्रयास...

पुस्तक का नाम	: Good Manners Coloring Books
प्रकाशक	: आचार्य श्री सुरेन्द्रसूरीश्वरजी जैन तत्त्वज्ञानशाला, अहमदाबाद - सुरत
प्रकाशक वर्ष	: विक्रम संवत् 2079, वीर संवत् 2549, ई.सन् 2023, चैत्र वदि-9, दि. 14-5-2023, रविवार
JSBN No.	: SURAJ0004
मुद्रक	: भरत ग्राफिक्स, अहमदाबाद । मो. 8905851988
मूल्य	: ₹ ~~100~~ 75/- श्रुतज्ञान लाभार्थी सहयोग के कारण
आवृत्ति	: प्रथमावृत्ति : 2100 पुस्तक, दि. 29-10-2022 द्वितीय आवृत्ति : 5000 पुस्तक, दि. 16-3-2023

॥ पुस्तक प्राप्ति स्थल ॥

आचार्य श्री सुरेन्द्रसूरीश्वरजी जैन तत्त्वज्ञानशाला, अहमदाबाद
12, श्रेयांसनाथ सोसायटी, धरणीधर देरासर के पीछे,
गोदावरी रोड़, वासणा, अहमदाबाद मो. 95122 34311

पं. रविविजयजी जैन पाठशाला, सुरत
103-104 ए, वासुदर्शन अपार्टमेंट, ओम्कारसूरि आराधना भवन के पास,
पाल, सुरत मो. 777 888 79 09

अविस्मरणीय स्मृति

जन्म : आसो सुदि-11, वि.सं. 2060, दि. 24-10-2004, मुंबई
दीक्षा : मागसर सुदि-4, वि.सं. 2076 दि. 3-11-2019, चेन्नई
कालधर्म : आसो वदि-8, वि.सं. 2078, दि. 18-10-2022

'मुझे भी सूरिराम जैसा बनना है ।' इस आदर्श भावना के साथ कुवाला - मुम्बई निवासी बाल मुमुक्षु चैत्य कुमार शशीकांतभाई रातड़ीया न १५ वर्ष की उम्र में चेन्नई में दीक्षा ग्रहण कर मुनि दृढ़निश्चयविजयजी म.सा. नाम धारण किया ।

मुनि श्री ज्ञान-ध्यान-अभ्यास में सदा उद्यमी, गुर्वाज्ञादि की सेवा में सदैव तत्पर, रचनात्मक प्रज्ञा और कुशाग्र बुद्धि के धारक थे ।

डहेला के समुदाय के होनहार एवं आशास्पद मुनिश्री का ३ वर्ष के संयमपर्याय में केवल १८ वर्ष की उम्र में आकस्मिक कालधर्म हुआ ।

मुनिश्री जिनशासन की आराधना करते हुए शीघ्र सिद्धि प्राप्त करें, ऐसी परमात्मा से प्रार्थना सह यह पुस्तिका मुनिश्री की स्मृति में समर्पित करते हैं ।

सूरत
मुख्य प्राप्तिस्थान
सुराज कल्प क्रीयेशन्स
C/o. अंजली चिराग जैन
सी-१०१, क्रिश हाईट्स,
राजहंस सिनेमा के पीछे, पाल, सूरत
(M) 9016614148

चेन्नई
चिरागभाई डी. जैन
नं. ६०, ई. वी. के. संपत रोड,
ऐ ब्लॉक, सेकण्ड फ्लोर,
फ्लेट नं. १२, वेपरी,
चेन्नई ६००००७
(M) 7200756526

मुंबई
केतन शाह
१०५, जय चामुंडा CHC,
ग्रीन'स वेज रेस्टोरेंट के पीछे,
चार्टर रोड नंबर ५, बोरीवली (ईस्ट),
मुंबई (M) 9326323247
(M) 8850509459

पालनपुर
मधुबेन मनहरभाई जैन
59, अंबिका नगर, अहिंसा,
मार्ग,
पालनपुर 385001
(M) 9824017337

विसनगर
डाहीबेन कांतिलाल मेहता
C/o CA कौशल राहुलकुमार मेहता
F1-F2, तिरुपति कॉम्पलेक्स,
विसनगर GIDC के पास
विसनगर - 384 315.
मो. 91570 97480

हमारी संस्था द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की ऑनलाईन खरीदी हेतु कृपया निम्न वेबसाईट में खोज करें । www. jaintatvgyanshala.org
Available on amazon & Flipkart

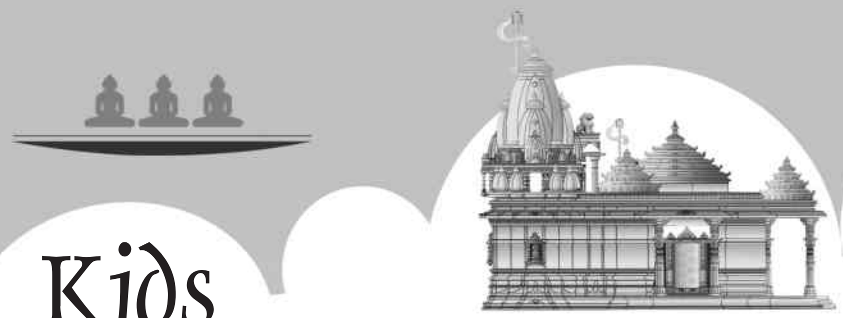

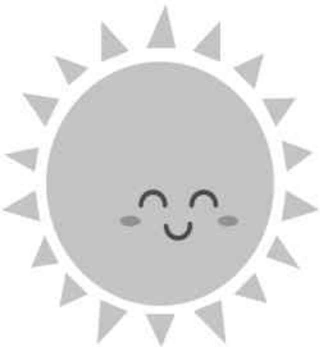

Kids

GOOD MANNERS
COLORING BOOK

दिव्याशीष	तपागच्छाधिपति प.पू.आ.श्री विजय रामसूरीश्वरजी महाराजा (डहेलावाला)
शुभाशीष	स्वाध्यायप्रेमी जैनाचार्य प.पू.आ.श्री विजय जगच्चन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा
मार्गदर्शन	प.पू.आचार्यदेव श्री कल्पयशसूरीश्वरजी महाराजा
प्रेरणा	गणिवर्य प.पू. श्री विनीतचंद्रविजयजी म.सा.
प्रकाशक	आचार्य श्री सुरेन्द्रसूरीश्वरजी जैन तत्त्वज्ञानशाला, अमदावाद-सुरत
संपादक	सुराज कल्प क्रीयेशन्स C/o. सी.ए. चिराग एम. जैन

इनाम वितरण की श्रेणियाँ

- ✤ सर्वश्रेष्ठ 21 बालक जिन्होंने सबसे अच्छा पूरी पुस्तक में रंग किया हो ।
- ✤ सर्वश्रेष्ठ 9 बालक जिन्होंने हर पेज के नीचे दिए गए 'सुराज**kalp**' में सबसे अच्छा रंग और डिजाइन की हो ।
- ✤ सर्वश्रेष्ठ 48 बालक को चुना जाएगा सींगल पेज-वाइज, जिन्होंने उस पेज मे सबसे अच्छा रंग किया हो ।
- ✤ सभी बच्चों को प्रोत्साहन ईनाम, जिन्होंने पुरी पुस्तक में रंग किया हो और निर्धारित समय पर (15 जनवरी, 2024 या उससे पहले) पुस्तक को सेन्टर पे जमा करवाया है ।

इनामी योजनामें जुड़ने हेतु कृपया नीचे दिए गए नियमों को पढ़ें :

- ✤ सिलेक्शन की प्रक्रिया में सिर्फ उन्ही पुस्तकों को चुना जाएगा जो पुस्तके15 जनवरी 2024 को या उससे पहले प्राप्त हुई है ।
- ✤ सिलेक्शन की प्रक्रिया में सिर्फ उन्ही बच्चों के चित्र सिलेक्ट किए जाएगे जिन्होंने बुक को पूरी तरह से रंग करके पूर्ण किया होगा और पुस्तक प्राप्ति स्थान पर निर्धारित समय के अंदर पहोचाया होगा ।
- ✤ योजना में जुडने के लिए आपकी बुक के नंबर के साथ गूगल फॉर्म भरना आवश्यक है । उपर दिए गए QR कोड को स्कैन करके आप गूगल फॉर्म भर सकते है ।
- ✤ चुने गए बच्चों के चित्र अगली कलर एडिशन में उस बच्चे के नाम के साथ वो चित्र छपाई जाएगी ।
- ✤ एक बालक का केवल एक ही चित्र चुना जाएगा ।
- ✤ सिलेक्ट किए गए चित्र के ऊपर अगर सिलेक्टर टीम को शंका होगी तो उस बालक को नजदीकी सेंटर पर बुला कर वापस वही चित्र को रंग करने के लिए बुलाया जाएगा ।
- ✤ जो भी निर्णय सिलेक्टर टीम द्वारा लिया जाएगा वो अंतिम निर्णय माना जाएगा ।

संपर्क

किसी भी प्रकार की सहायता, सुजाव या शिकायत के लिए

सूराजकल्प क्रीयेशन्स, C/o सी.ए. चिराग एम. जैन के मोबाईल नं. 9157657347 पर संपर्क करे ।

✤ Personal Details ✤

Name : .... **Age :** ....

Father Name : .... **Mobile :** ....

Address : ....

INDEX

जीवन के विकास में उपकारी	Page 1-3
जीवन के विकास में 5 Points	Page 4-8
सुखी होने के 5 Points	Page 9-13
पर्यावरण सुरक्षा के 3 Points	Page 14-16
जीवन को बिगाड़ने वाले 4 Points	Page 17-20
मानवता लाने के 19 Points	Page 21-39
सरस्वती माता को प्रसन्न करने के 8 Points	Page 40-47

मुझे अवश्य पढ़ना...!

हर व्यक्ति की तमन्ना होती है मुझे कुछ बनना है, चाहे चार्टर्ड अकाउन्टन्ट हो, इन्जिनीयर हो, पुलिस हो, डॉक्टर हो, वकील हो परन्तु संस्कारवान बनने की तमन्ना नहीं होती हैं । आपके पास कितना भी धन-रुप-सत्ता-ऐश्वर्य हो परन्तु संस्कार रुपी धन नहीं हो तो आपके पास रही हुई वस्तु की कीमत नहीं होगी । कोई व्यक्ति को आप धन-रुप-सत्ता-ऐश्वर्य से दबा सकते हो परन्तु उस व्यक्ति के हृदय में आपका वास नहीं होगा । सज्जन हो या दुर्जन किसी के भी हृदय में स्थान प्राप्त करना हो तो आपके जीवन में प्रथम संस्कार की आवश्यकता है ।

अपनी आर्य संस्कृति को याद करो क्या उनके जीवन में संस्कार थे, चाहे स्वामी विवेकानंदजी हो, सरदार वल्लभभाई पटेल हो, महाराणा प्रताप हो, छत्रपति शिवाजी हो, सुभाषचन्द्र बोझ, चन्द्रशेखर आज़ाद हो, वीरचंद राघवजी हो, उन्होंने इतिहास के पन्नों पर धन-रुप-सत्ता-ऐश्वर्य से नाम स्वर्णांकित नहीं किया है परन्तु संस्कारों से अपना जीवन सौरभ किया हैं और अपना नाम जग में जाज्वल्यमान किया हैं ।

बस आप भी उत्तम संस्कारवान बनो और परिवार-समाज-धम्म एवं देश की भक्ति करके अपना जीवन आदर्श और पवित्र बनाओ, यही अंतर अिलाषा...

बुक में काफी चित्रों में बदलाव एवं मुद्रण में अपना किमती समय निस्वार्थ भाव से देने के लिये डिजाईनर नैया अमरभाई शाह का आभार व्यक्त करता हैं ।

– टीम सुराज कल्प क्रिएशन्स

जीवन के विकास में उपकारी

संपूर्ण विश्व का कल्याण करने वाले

श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामीजी

सन्मति प्रदान करनेवाली

श्री सरस्वती माता

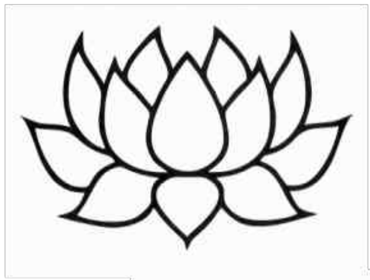

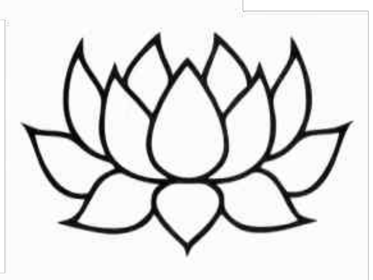

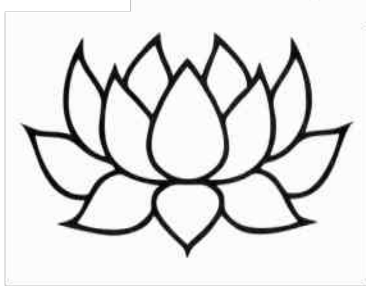

माता-पिता घर के भगवान है!

जीवन के विकास में 5 Points

**किसी भी परिस्थिती में
झूठ बोलना नहीं**

सत्यमेव जयते

POINTS 03

किसी भी प्रकार की चोरी / व्याभिचार नहीं करना

POINTS 04

बुरा मत...

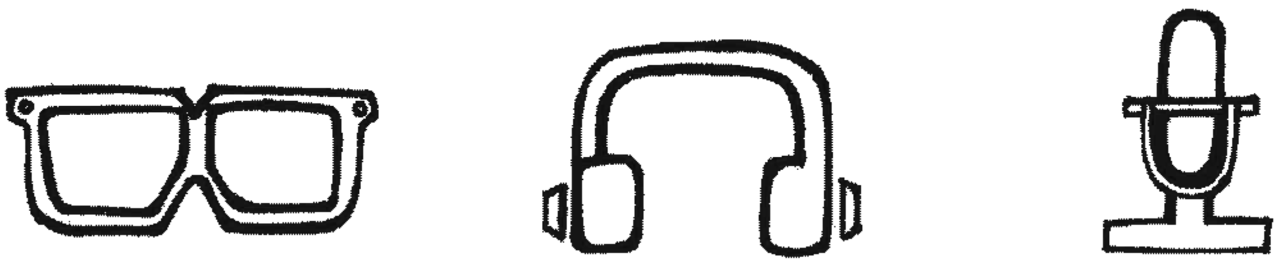

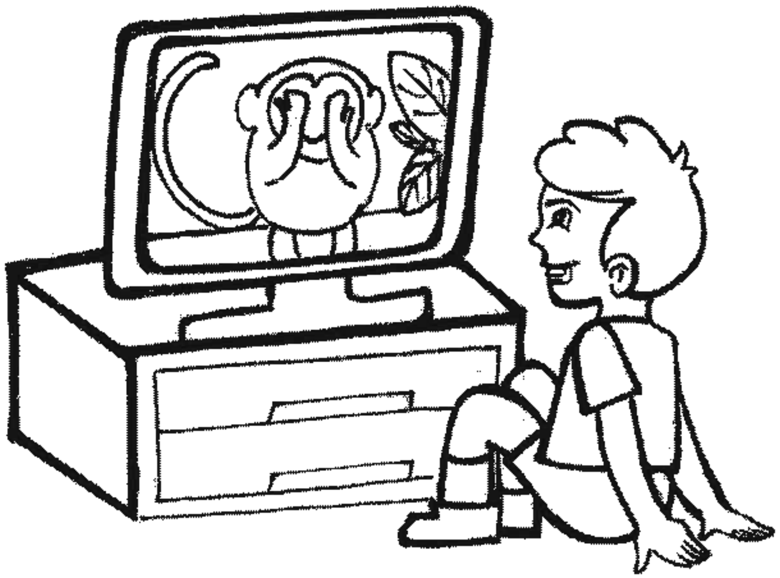

आँखों में पवित्रता रखना

POINTS 05

जीवन में जो मिला उसका संतोष मानना

सुखी होने के 5 POINTS

POINTS 01

किसी भी व्यक्ति को खाना खिलाने के बाद खाना

अतिथि देवो भवः

शक्ति के अनुसार गरीबों को सामग्री देना

दान वीरस्य भूषणम्

पशुओं को भी खाना देना

POINTS 03

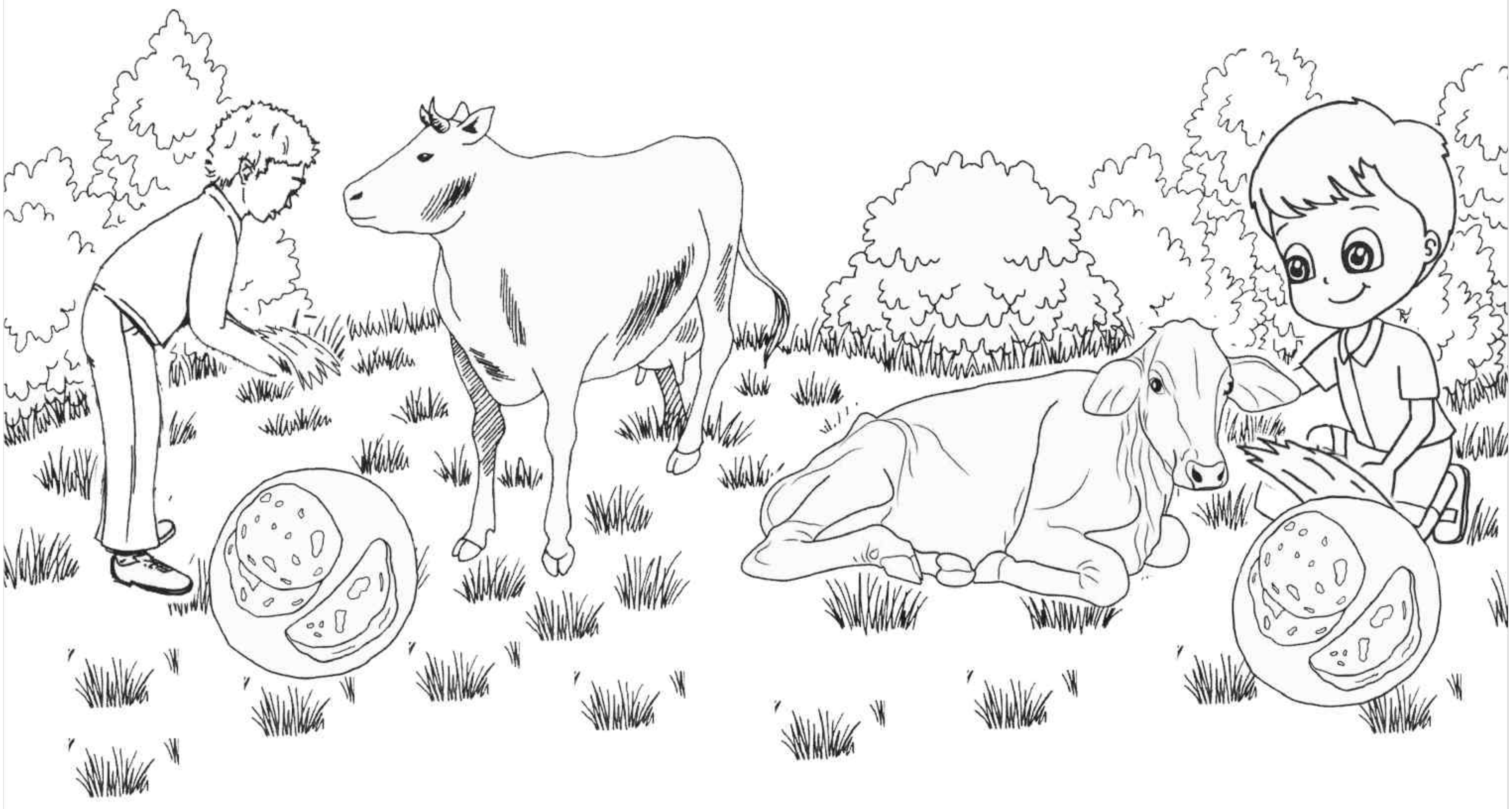

POINTS 04

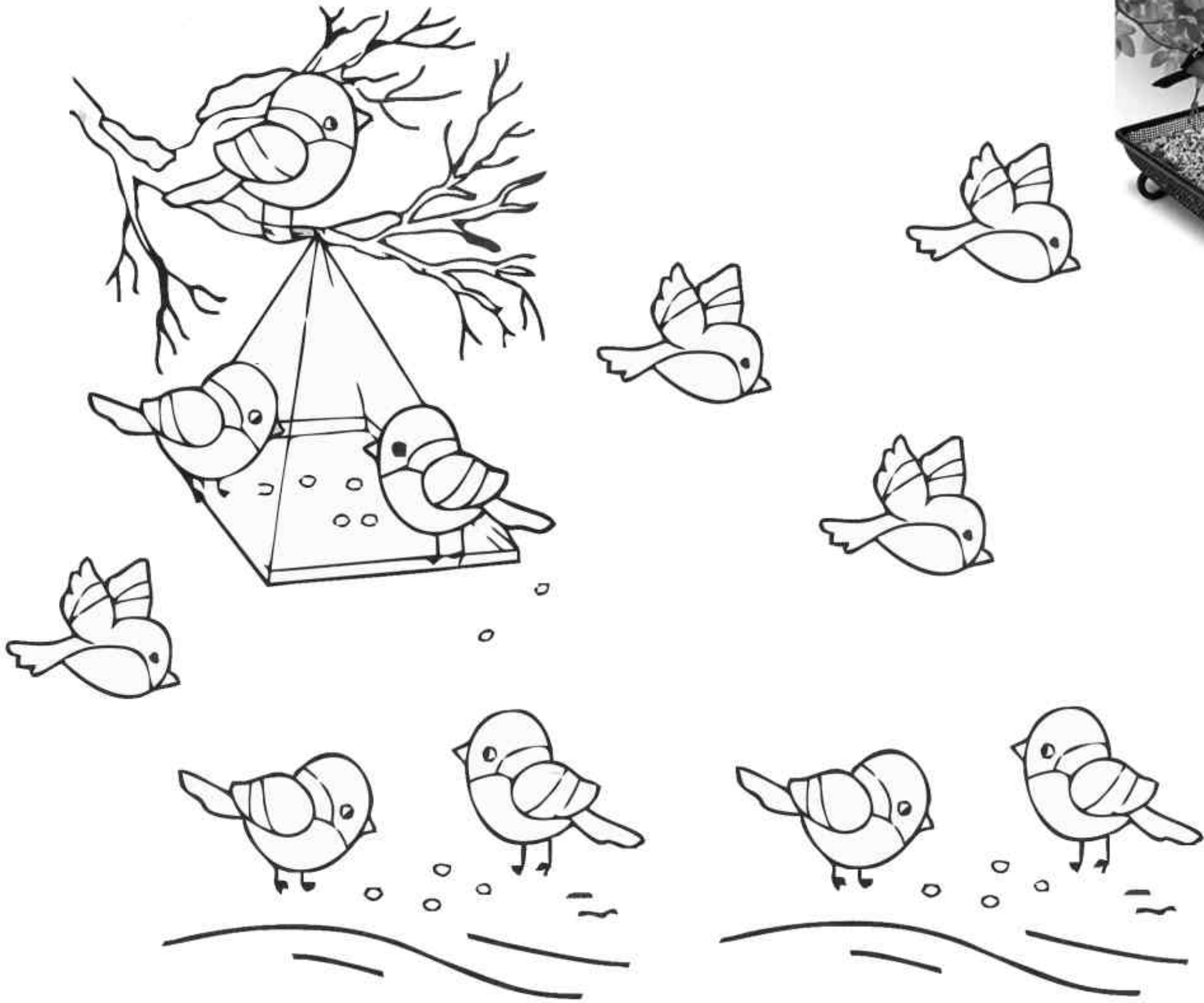

Feeding Birds

पक्षियों को दाना-पानी देना

POINTS 05

पानी का उपयोग छाण के करना

पर्यावरण सुरक्षा के 3 Points

जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल ना करें।

SAVE WATER

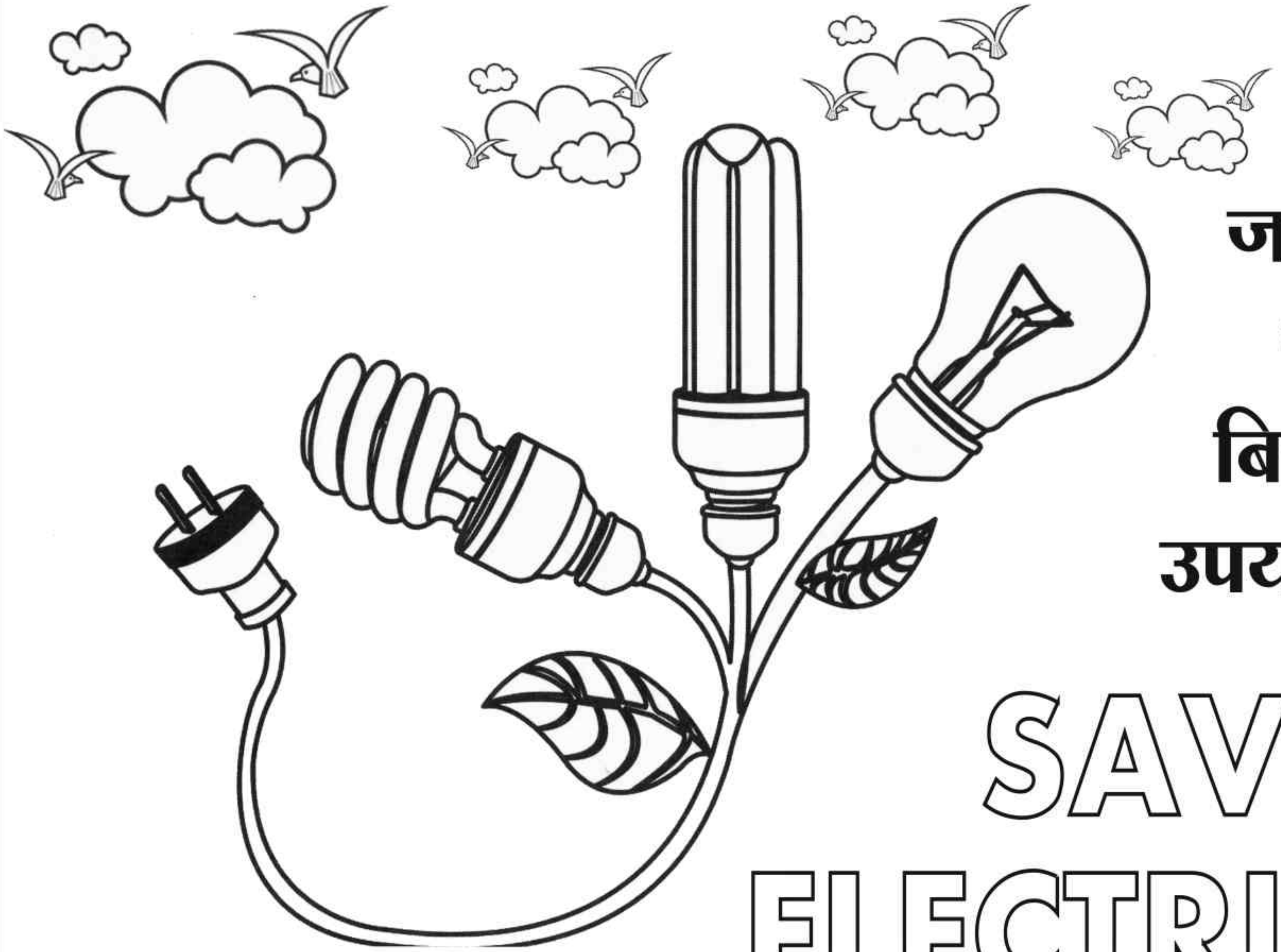

जरूरत से
ज्यादा
बिजली का
उपयोग न करें

SAVE
ELECTRICITY

POINTS 03

SAVE TREES

पेड़-पौधे-पत्ते आदि को काटना नहीं

जीवन को बिगाड़ने वाले 4 Points

POINTS 01

जुआँ / व्यसन / शेअर मार्केट / एम.सी.एक्स. आदि व्यसन जीवन को बर्बाद करते हैं।

जुगार जीवन को बर्बाद करता है।

POINTS 02

मदिरा पान (शराब)
याने
शरीर-संपत्ति एवं
परिवार को बर्बादी की
ओर धकेलना।

DRINKING IS
DANGEREOUS

POINTS 03

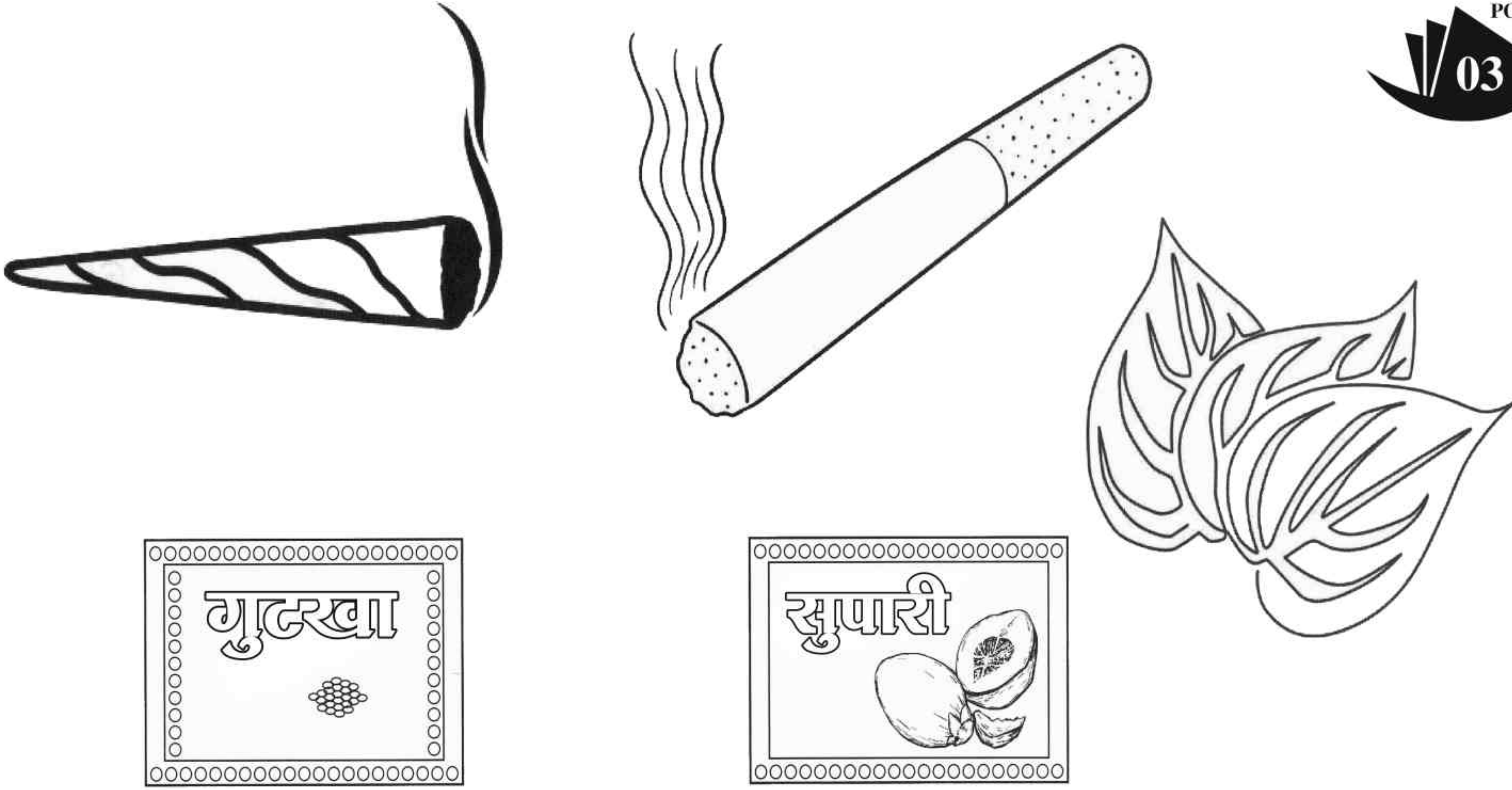

बीड़ी-सिगारेट-पान-सुपारी-गुटखा खाने से शरीर-संपत्ति-परिवार का नाश होता हैं |

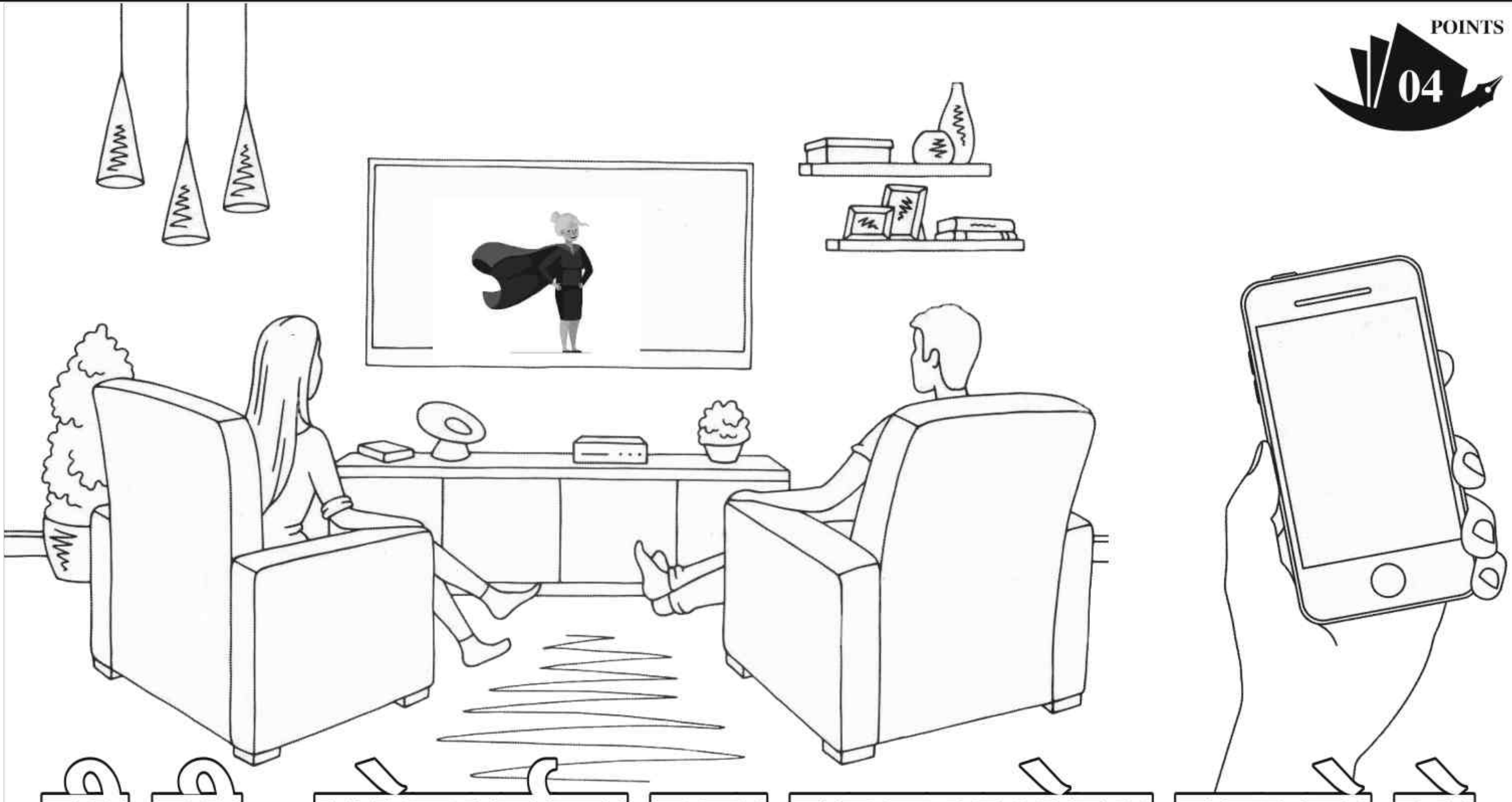

टी.वी.-मोबाईल का दुरूपयोग करने से आँख-समय एवं संस्कार बिगड़ते है।

मानवता लाने के 19 Points

POINTS 01

कोहो पीइं पणासेइ

POINTS 02

माणो विनय नासणो

अभिमान करने से विनय का नाश होता है।

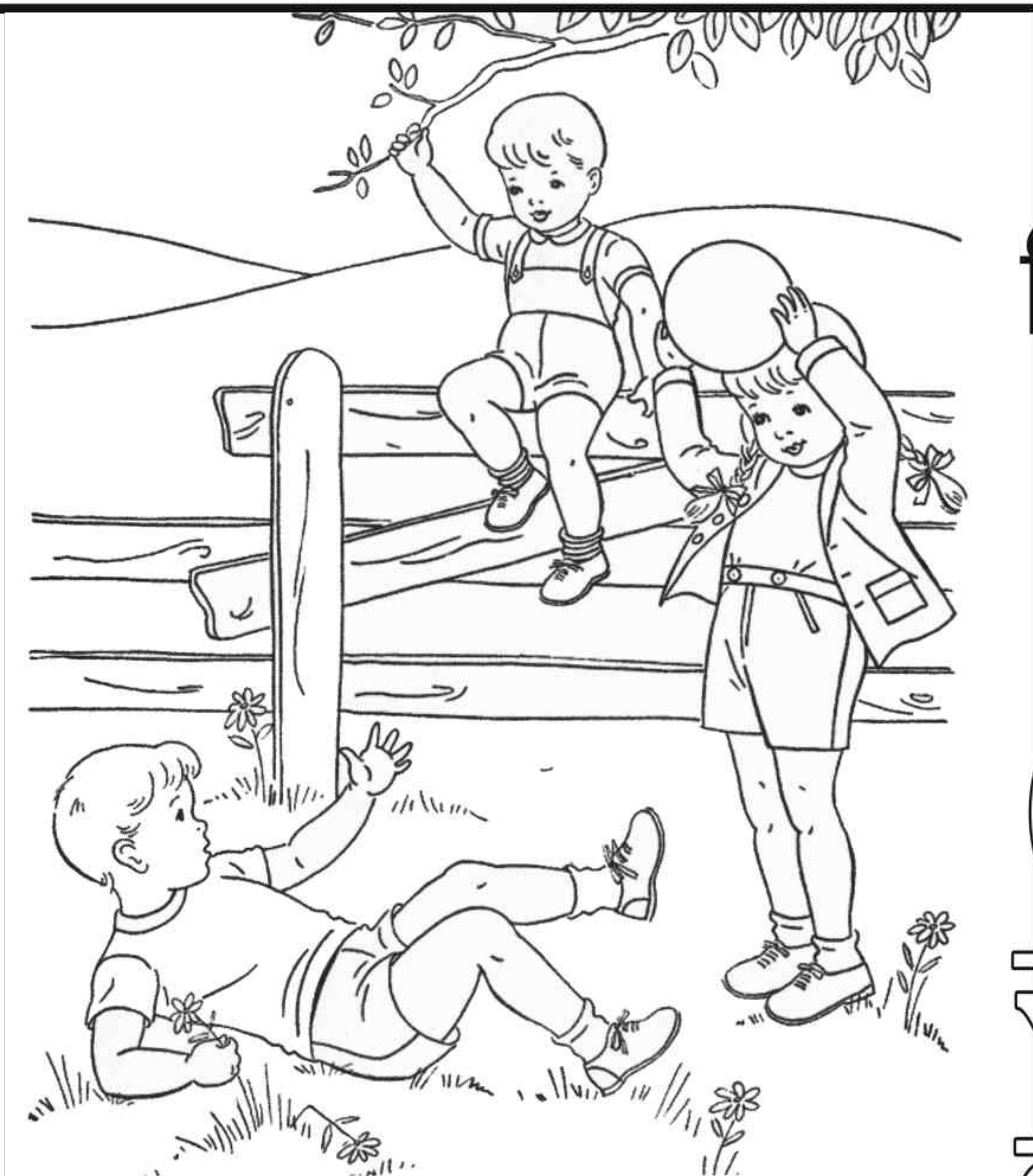

माया मित्ताणि नासेइ

छल-कपट (माया) करने से मित्रता का नाश होता है।

लोभो सव्व विणासणो

POINTS 04

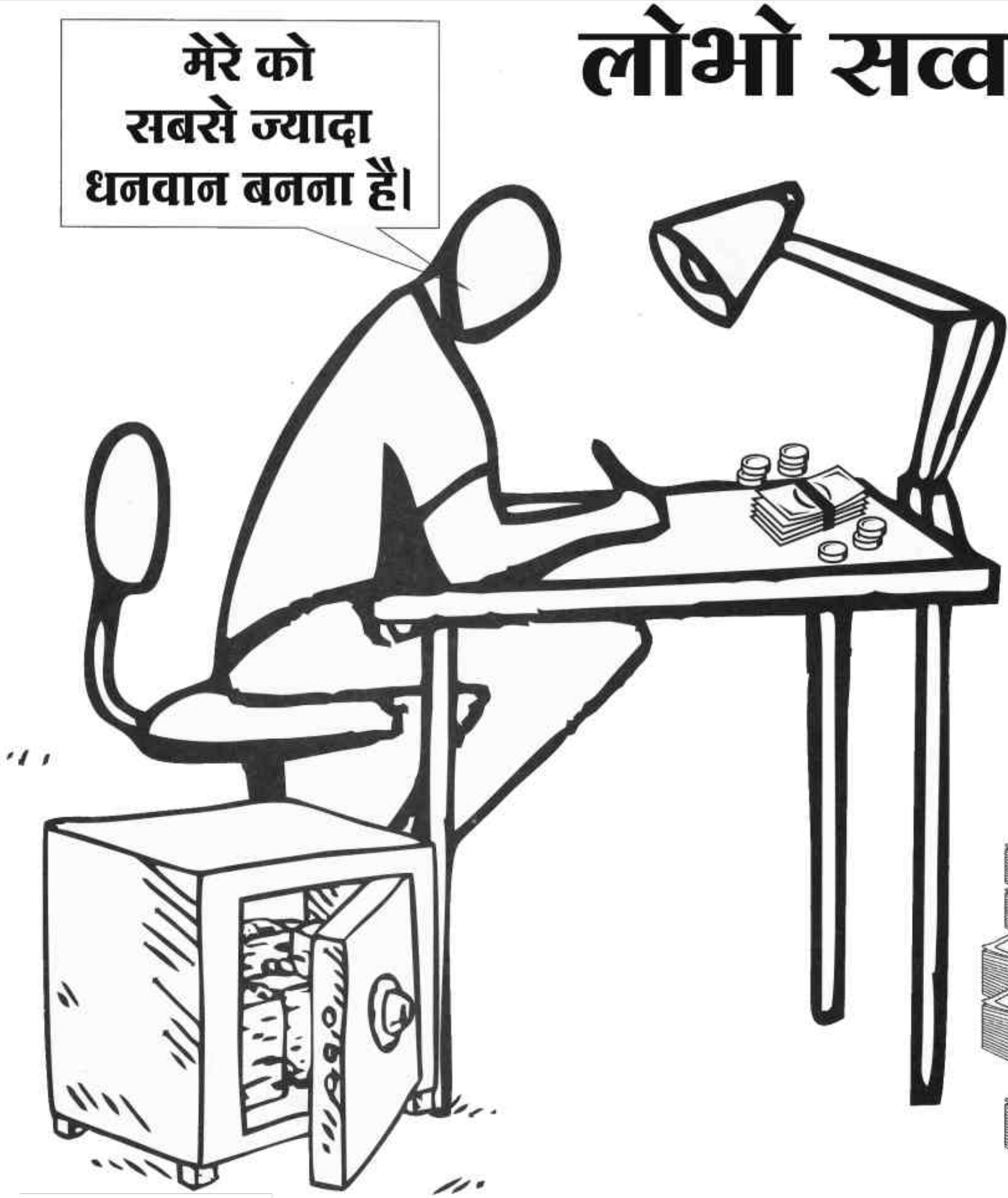

लोभ करने से
सब कुछ नाश
हो जाता है।

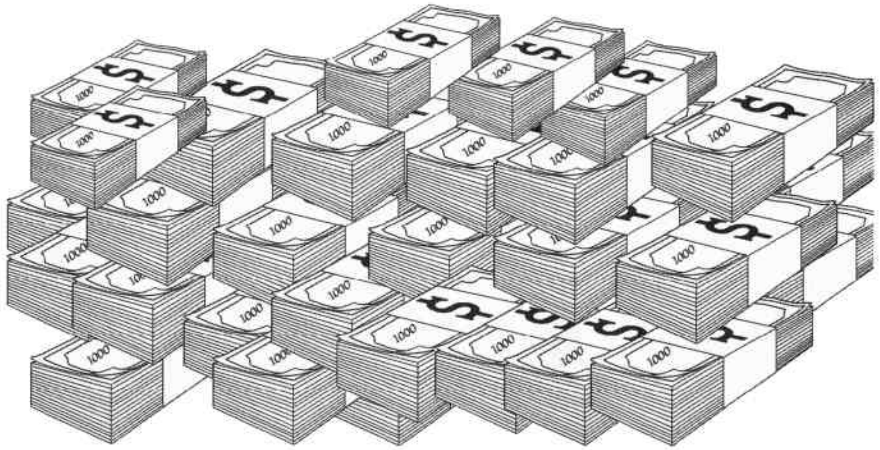

POINTS 05

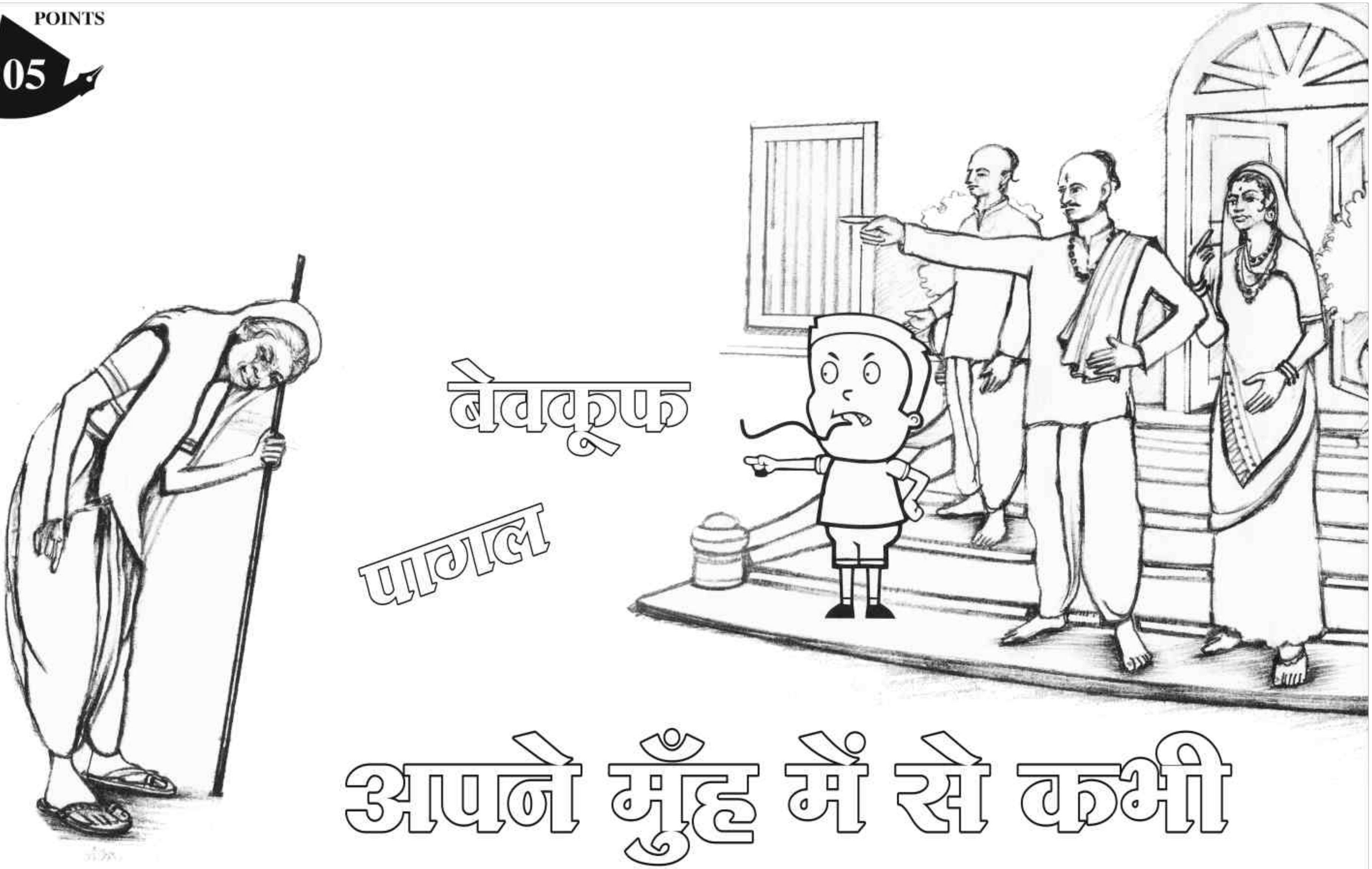

अपने मुँह में से कभी अपशब्द निकालना नहीं।

POINTS 06

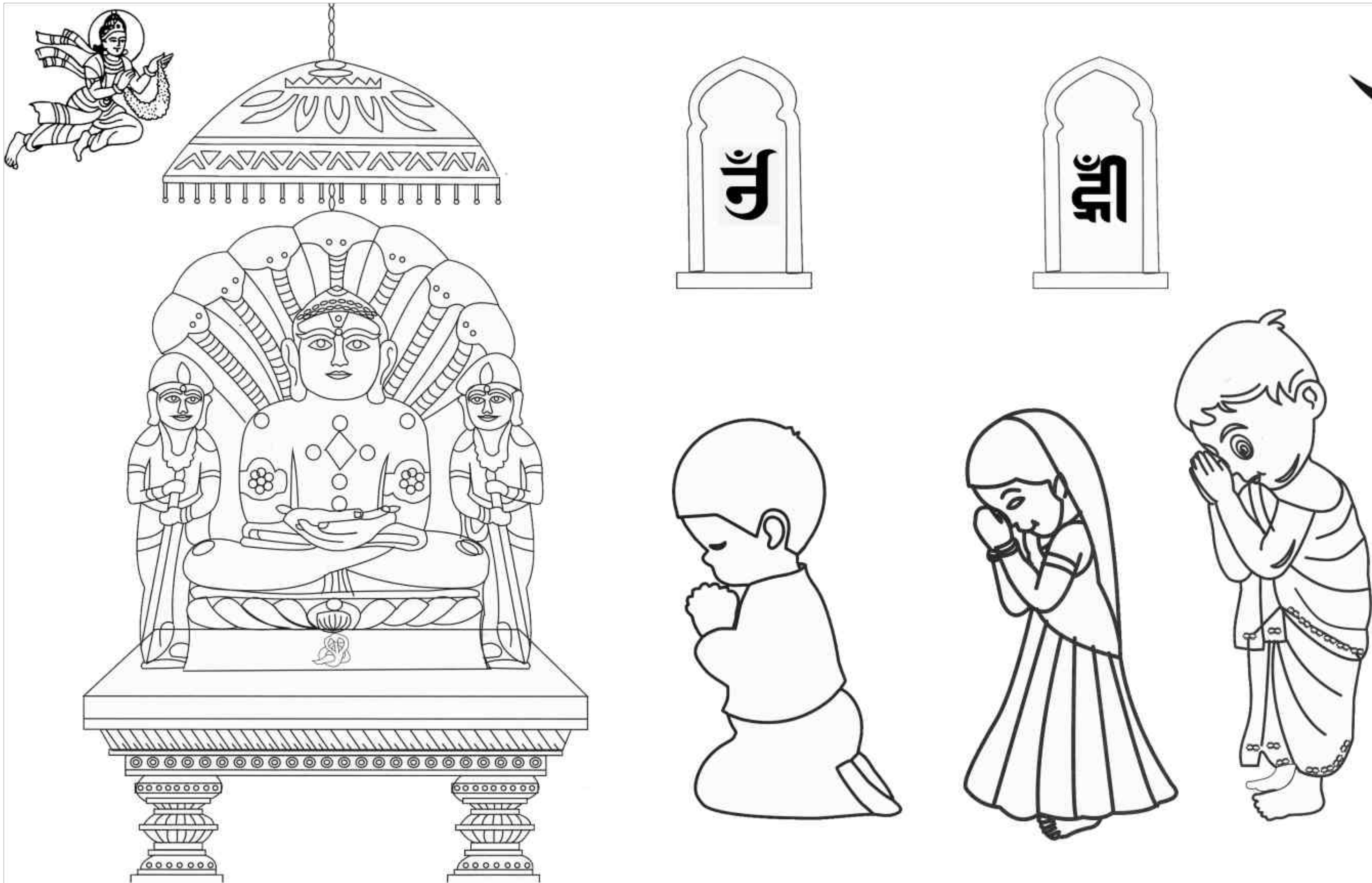

भगवान को हाथ जोड़ने से अपने दुर्गुण दूर होते हैं ।

साधु-संतों का सन्मान करना चाहिए।

परिवार के साथ बैठकर भोजन करना चाहिए ।

POINTS 09

माता-पिता-गुरु को सामने जवाब नहीं देना।

POINTS 10

घर में बनाया हुआ सात्विक-पौष्टिक भोजन करना चाहिए।

GOOD ✓

Harmful ✗

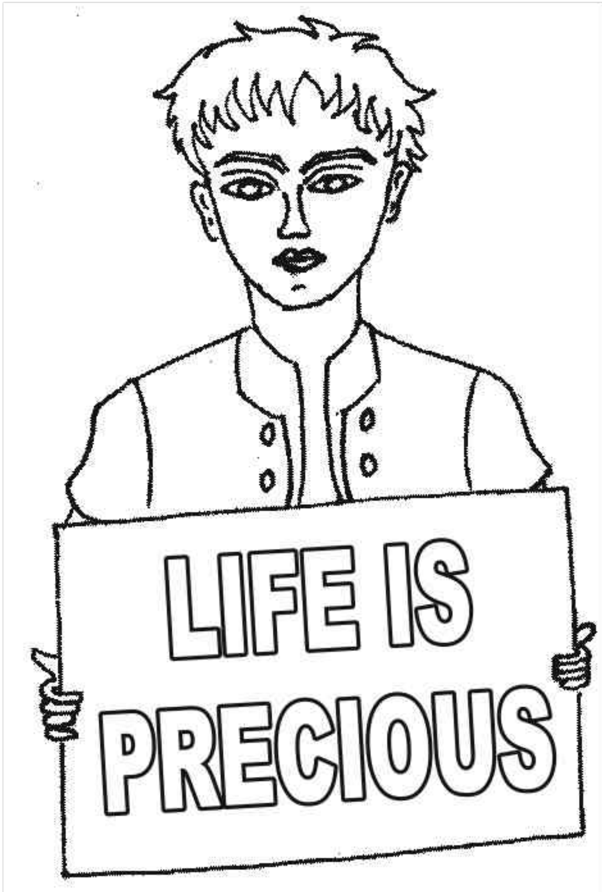

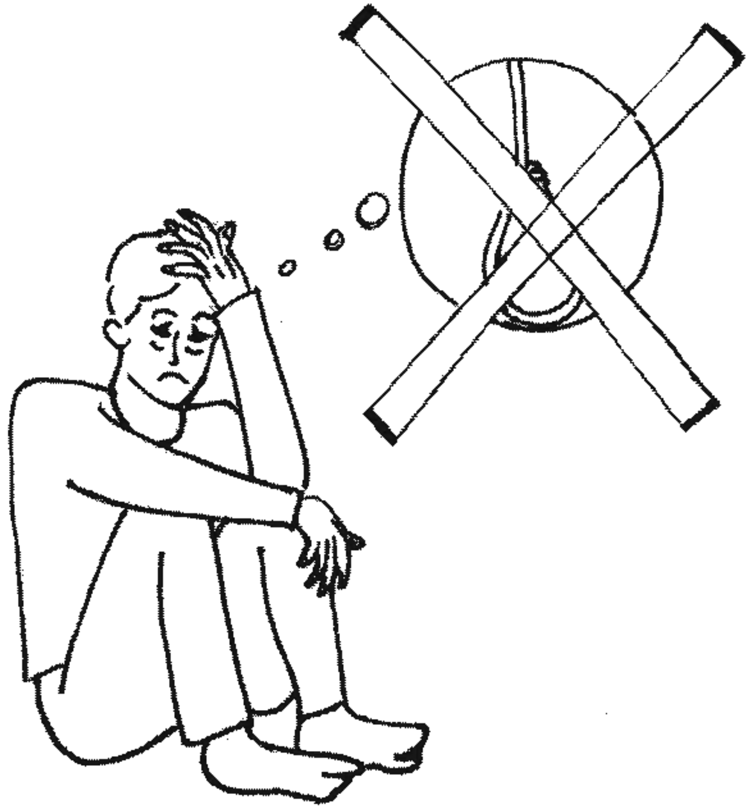

कितना भी दुःख आ जाय मगर
आत्महत्या कभी नहीं करना।

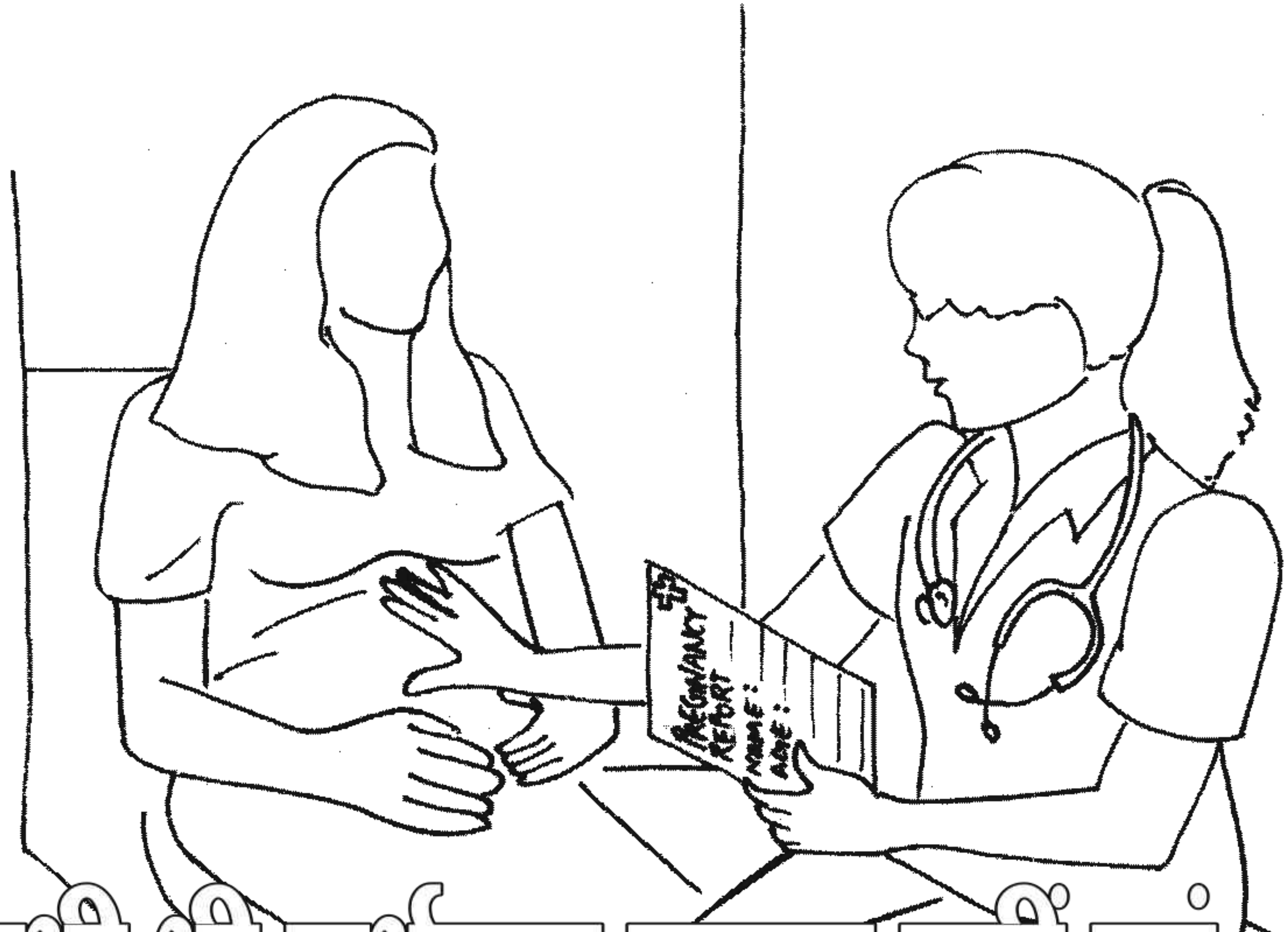

कभी भी गर्भपात करना नहीं एवं करवाने में सहायता करनी नहीं ।

नौकर - सेवक आदि का अनादर नहीं करना ।

अच्छा माल बताकर बुरा माल देने से विश्वासघात होता है।

POINTS 15

जीवन में कीये हुए बुरे कार्यों का पश्चाताप करना।

AN APOLOGY IS A LOVELY PERFUME;
IT CAN TRANSFORM THE CLUMSIEST MOMENT INTO A GRACIOUS GIFT.

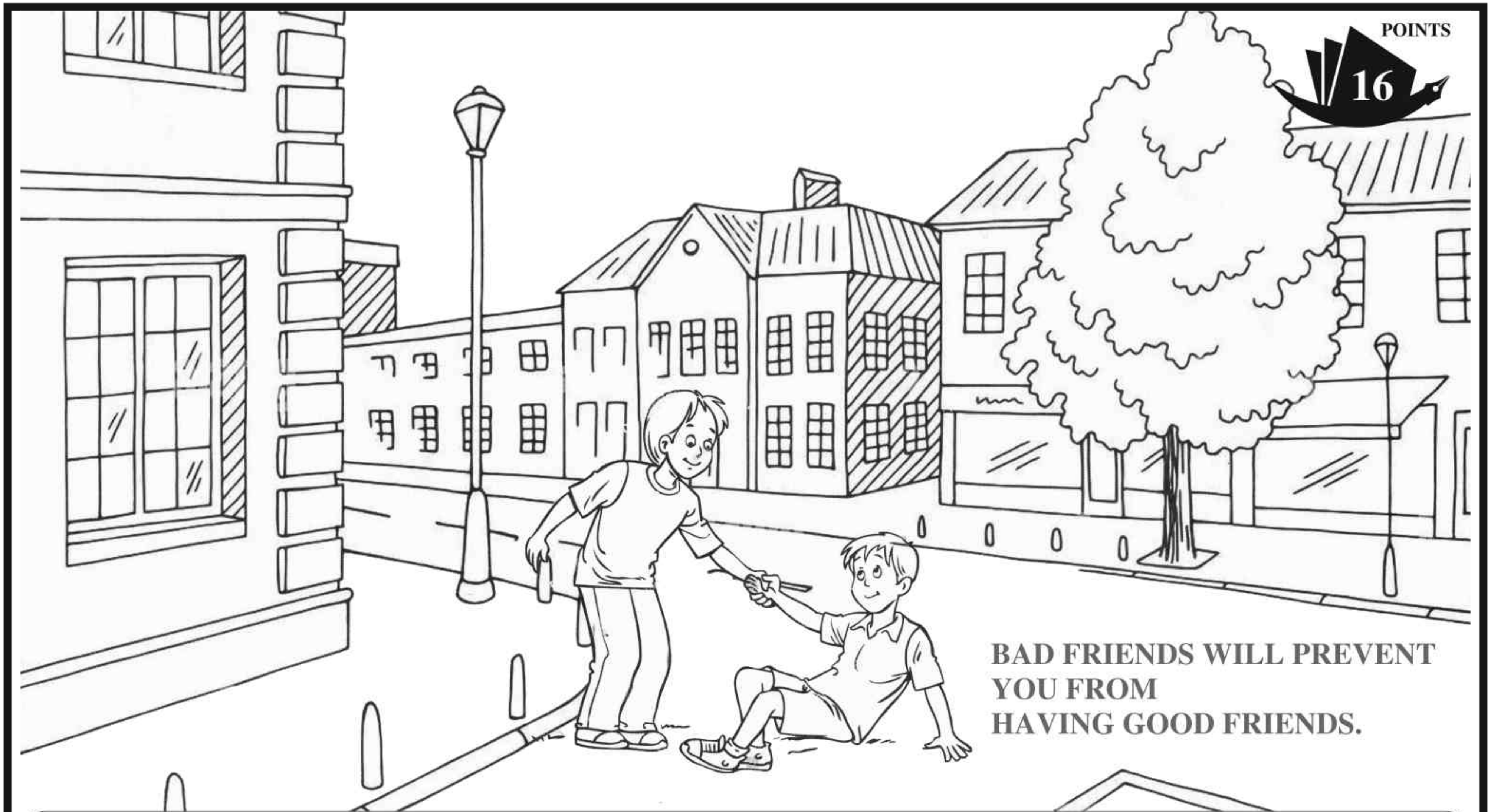

BAD FRIENDS WILL PREVENT YOU FROM HAVING GOOD FRIENDS.

बुरी संगत – बुरे मित्रों से हमेशा दूर रहना चाहिए ।

मानव शब्द की परिभाषा

मा- जगत के समस्त जीवों के साथ
माँ जैसा वात्सल्य (प्रेम) भाव रखना।

न- जगत के समस्त जीवों के साथ
नम्रता से व्यवहार करना।

व- जगत के समस्त जीवों के साथ
विवेक से वर्तन करना।

POINTS 18

किसी की बुरी बात (निंदा) किसी को बताना नहीं ।

सुबह उठते समय व रात को सोते समय भगवान का नाम लेना।

POINTS 19

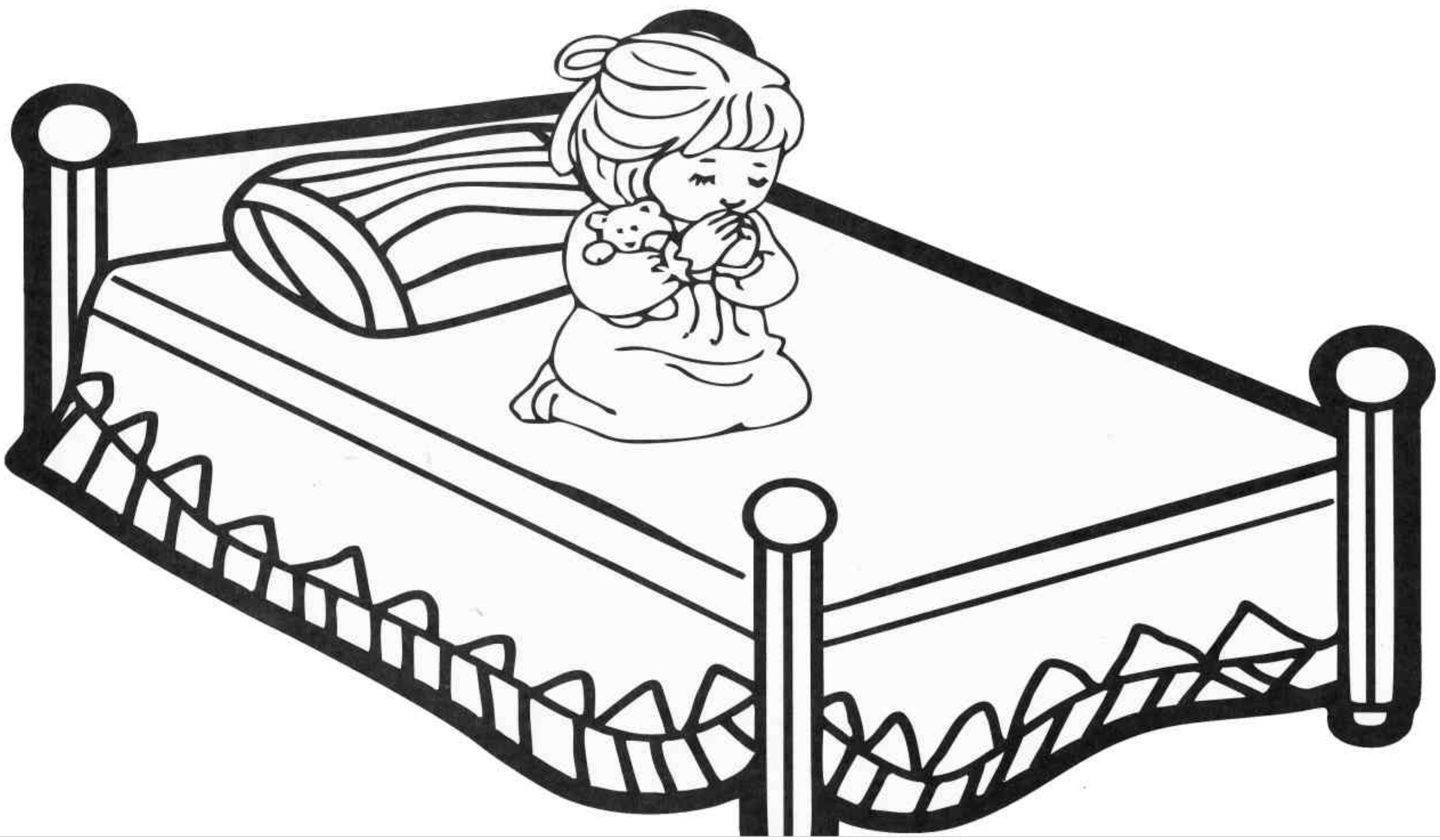

POINTS 01

पढ़ाने वाले शिक्षक का आदर-सन्मान करना ।

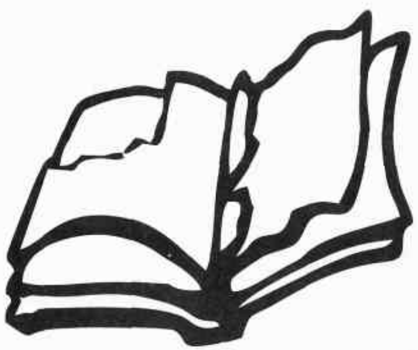

पुस्तक-पेपर आदि को जलाना नहीं।

पुस्तक-पेपर आदि को फाड़ना नहीं।

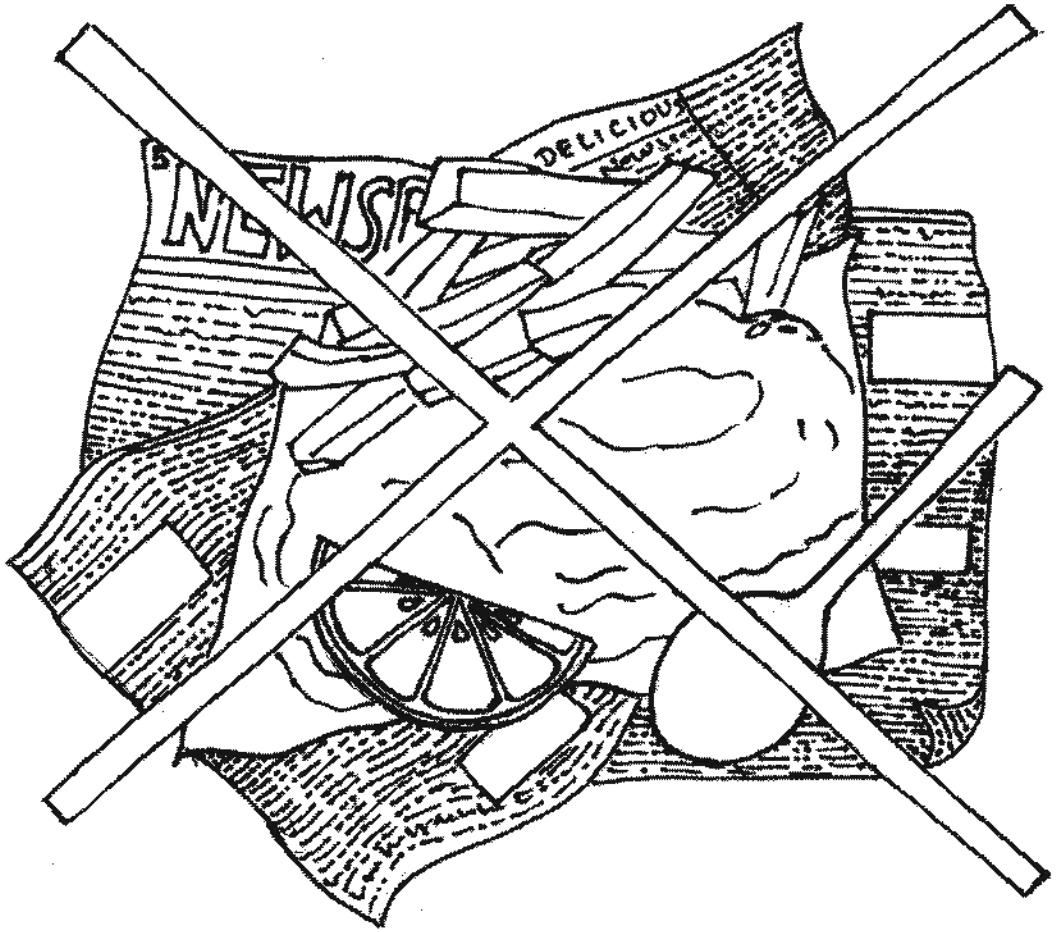

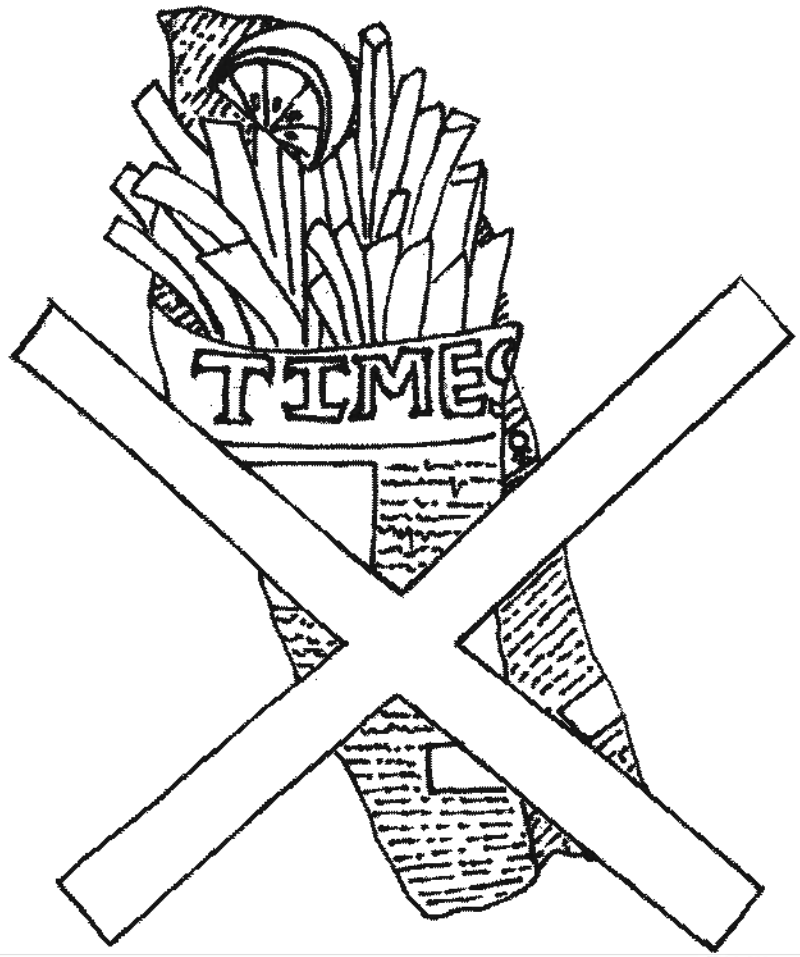

न्यूज पेपर में 'भोजन-नास्ता' करना नहीं ।

नाम वाले कपड़ें पहनना नहीं ।

पुस्तक-पेपर आदि को फेंकना नहीं या ज़मीन पर रखना नहीं।

पेन-पेन्सिल आदि को मुँह में डालना नहीं।

POINTS 08

सरस्वती माता का मूल मंत्र के जाप से बुद्धि का विकास होता है।

ऐं

नमः

आचार्य श्री सुरेन्द्रसूरीश्वरजी जैन तत्त्वज्ञानशाळा तरफथी

प्रकाशित पुस्तकोनी यादी

✤ सुवर्णाक्षरीय कल्पसूत्र (प्रत)	संस्कृत
✤ उपदेशप्रासाद (प्रत) भाग १ थी ४	संस्कृत
✤ चतुर्विंशति जिन चरितानि	संस्कृत
✤ प्रमाणनयतत्त्वलोकालंकार (मूल + अवचूरि)	संस्कृत
✤ अध्यात्म कल्पद्रुम (मूल)	संस्कृत
✤ अध्यात्म सार (मूल)	संस्कृत
✤ पारमर्ष स्वाध्याय (मूल)	संस्कृत
✤ श्री श्रुतज्ञान अमीधारा	संस्कृत
✤ श्री जैन धर्म प्रकरण रत्नाकर	गुजराती
✤ धातु रूपावली	संस्कृत
✤ गुणवैभव परम विभूतिनो	गुजराती
✤ सम्यग्दर्शन	गुजराती

सूरिराम पुण्यस्मृति ग्रन्थावलि अन्तर्गत

प्रकाशित पुस्तकोनी यादी

✤ हेमविभ्रम	संस्कृत
✤ कविकल्पद्रुम	संस्कृत
✤ आर्हत् दर्शन दिपीका	गुजराती
✤ गुरुराम संस्मरण यात्रा	गुजराती
✤ गुरुराम संस्मरण रास	गुजराती
✤ भव आलोचना	हिन्दी
✤ श्री सम्यक्त्व सहित बारव्रत की संक्षिप्त जानकारी	हिन्दी
✤ हिमालयनी गोदमां, अष्टापदनी शोधमां	गुजराती
✤ हिमालय की गोद में, अष्टापद की शोध में	हिन्दी
✤ नव्यन्यायभाषा प्रदिप	संस्कृत
✤ Catalogue of Palm-Leaf Manuscripts with Basic Manuscriptologu	अंग्रेजी
✤ अनुयोगद्वार सूत्र सटीक अनुवाद भाग-१-२	हिन्दी
✤ भव आलोचना	गुजराती
✤ बारव्रत*	गुजराती
✤ अध्यात्म कल्पद्रुम (चोपाई अर्थ साथे)	प्राकृत-गुजराती
✤ जैनागमशब्दसंग्रह अर्धमागधी गुजराती कोश	प्राकृत-गुजराती
✤ शक्रस्तव मूल*	संस्कृत
✤ आनंदघन चोवीशी सार्थ	गुजराती
✤ शक्रस्तव (गुजराती अनुवाद सह)	संस्कृत-गुजराती
✤ श्री श्रीपाल राजा का रास	हिन्दी

* आ निशानीवाळा पुस्तको अप्राप्य छे.

गुड मेनर्स कलरिंग पुस्तिका प्रकाशन के लाभार्थी परिवार

Sponsors

के. पी. संघवी चेरीटेबल ट्रस्ट - मुंबई

Co-Sponsers

- अल्पेश दलाल
- जेनीबेन अमरतलाल
- सविताबेन प्रवीणचन्द्र वेलाणी
- भरतभाई मफतलाल शेठ - चुवा
- स्व. श्री सुभाषचन्द्र शान्तिलाल शाह, ह. श्रीमती उर्मिला सुभाषचन्द्र शाह
- वसुमतीबेन रमेशचन्द्र दोशी - नवसारी
- पुष्पाबेन कान्तिलाल घेलाभाई दोशी परिवार (कुलदीपक प.पू. मुनिराज हितान्शचन्द्रविजयजी म.सा. ना सातमां दीक्षादिननी अनुमोदना अर्थे)

Supporters

- गुरुभक्त परिवार
- निमिष एस. शाह - मुंबई
- मनन विशाल सुभाष शाह, गढ़
- सीताबेन लीलाधरभाई वाडेरा - वाव

THANKYOU

Shrut Sahayak

- बबीबेन कान्तिलाल
- खेतसीभाई परषोत्तमदास
- श्री प्रतिक योगेशभाई महेता
- गुणवन्तलाल वाडीलाल शाह
- श्री झवेरी पार्क आदीश्वर जैन संघ-नारणपुरा
- मातुश्री लीलाबेन हिम्मतलाल दोशी-मोरवाडा

For Bulk Purchase Related Queries & to be a Royal Sponsor, Sponsor, Co Sponsor, Supporters & Shrut Shayak kindly contact - Suraj Kalp Creations on 9157657347

आगामी प्रकाशन

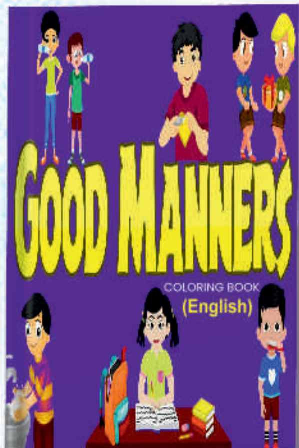

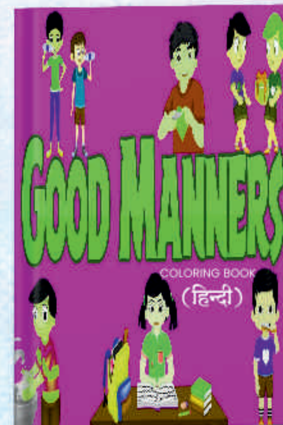

प्रकाशक

आचार्य
श्री सुरेन्द्रसूरीश्वरजी
जैन तत्त्वज्ञानशाला
अहमदाबाद - सुरत

JSBN No.
SURAJ0004

ISBN No.
ISBN 978-81-963605-0-4
9 788196 360504

MRP
₹ ~~100~~ 75/-

Drawing Book : 56 Pages
(52 Page B & W +
4 Colour Page)
Size : 30.48 × 21.59 cm
Inclusive of all taxes
Type of Paper : 90 gsm

Available on amazon & Flipkart